सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 206 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 3 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मैं चाहती हूं कि आप अपने पड़ोसी के बारे में चिंतित हों।
-मदर टेरेसा

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में गिल और बुमराह... 7 | मूसलाधार बारिश ने शहर की... 3 | बड़े लोगों को क्लीन चिट मिल गई... 2

रिपोर्टिंग के दौरान 4PM पत्रकार के साथ दिल्ली पुलिस की मारपीट

हैरेसमेंट, डराने की कोशिश

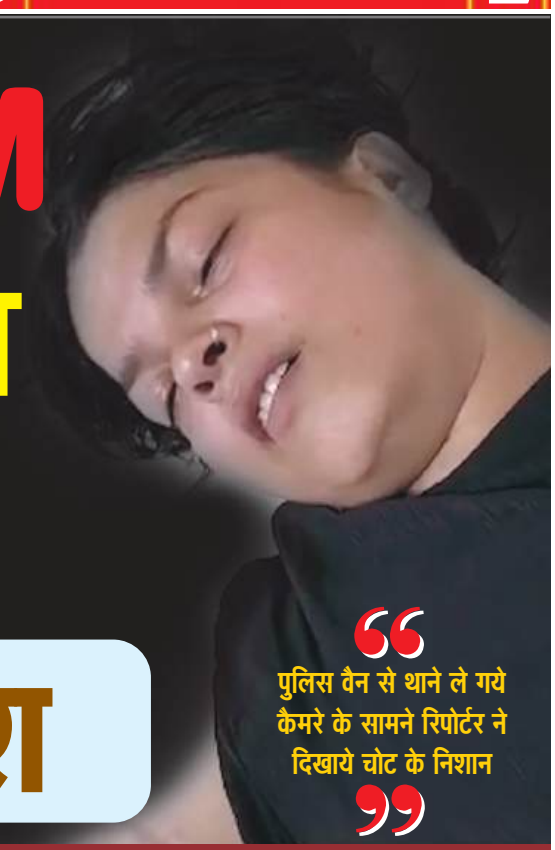

"पुलिस वैन से थाने ले गये कैमरे के सामने रिपोर्टर ने दिखाये चोट के निशान"

शाबाश शाहीन भारत को आप पर गर्व है आप ने बता दिया कि जिंदा है असली पत्रकारिता

» खान नाम सुनते ही बढ़ी मारपीट?
» कैमरे पर शाहीन ने दिखाया बांह पर चोट के निशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज दिल्ली में **4PM** की पत्रकार शाहीन के साथ जो हुआ वह बेहद गंभीर और डराने वाला है। शाहीन अपने एक साथी के साथ मोबाइल कैमरे से रिपोर्टिंग करने कार्यक्रम स्थल पर थी कि अचानक उनको दिल्ली पुलिस के कोपभजन का शिकार बनना पड़ा। उनको पुलिस वैन में जर्बदस्ती बिठा कर थाने लाया गया और उनकी जाति से संबधित सवाल पूछे गये। शाहीन का अरोप है कि दिल्ली पुलिस ने उनके साथ खराब बर्ताव यह जानकर किया कि उनके नाम के आगे खान लगा है और वह मुसलमान है। पुलिस स्टेशन में शाहीन ने पुलिस की मौजूदगी में अपने साथ हुए जुल्म की कहानी वीडियो के जरिये पूरी दुनिया के सामने रखी तो देखने वालों के रोंगेटे खड़े हो गये। सोशल मीडिया पर आज की यह घटना ट्रेंड करने लगी और हर कोई दिल्ली पुलिस की इस दरंदगी की भर्तस्ना करता दिखायी दिया। आज का दिन पत्रकारिता के इतिहास में काला दिन साबित हुआ जब युवा महिला पत्रकार को उसके काम के एवज में पुलिसिया उत्पीड़न का शिकार बनना पड़ा। दिल्ली पुलिस ने ऐसा इसलिए किया कि **4PM** दिल्ली सरकार और सीएम रेखा गुप्ता की आंख की किरकिरी बना हुआ है। **4PM** दिल्ली सरकार के कारनामों को लगातार अपने फ्रंट पेज पर छाप रहा है और अपने यूटयूब चैनल के जरिये दिखा रहा है।

शाहीन का कहना है

4PM की पत्रकार शाहीन दिल्ली की मुख्यमंत्री से सवाल पूछना चाहती थी। सवाल पूछना पत्रकार का धर्म है और कर्म भी। यही काम शाहीन भी कर रही थी। लेकिन शाहीन का सवाल पूछना दिल्ली पुलिस को अखर गया और दिल्ली पुलिस ने अपनी लक्ष्मण रेखा को लांघते हुए वह कर दिया जो कभी अंग्रेजों के जमाने में भारत में हुआ करता था। अंग्रेज सवाल पूछने के जवाब में कोड़े मारते थे और शाहीन को दिल्ली पुलिस ने डंडों से पीटा। उनकी बाह पर नीले निशान है और शरीर पर खरोंचों के निशान बता रहे है कि उनके साथ कितनी ज्यादती कि गयी। उन्हें जर्बदस्ती पुलिस वैन में बिठा कर थाने लाया गया।

लंबे समय से सरकार के निशाने पर है 4PM

आज जो कुछ हुआ वह पहली बार नहीं हुआ है और न ही अंतिम बार। संपादक संजय शर्मा सरकार की हिट लिस्ट में बहुत पहले से हैं और उन पर सरकार की दमनात्मक कार्रवाईयों कि लिस्ट भी लंबी है। उनको सरकारी एजेंसियों ने जांच के जरिये डराने की कोशिश की। 4PM चैनल को दो बार बंद कराया गया जो एक बार सुप्रीम कोर्ट और एक बार हाईकोर्ट के आदेश के बाद खुला। 4 दिन पहले 4PM के बैनर तले निर्मित फिल्मकार संजय शर्मा की बहुप्रतिक्षित फिल्म सहिया को रद्द कर दिया गया। 4PM की पत्रकार फिजा के इंस्टापेज को ब्लाक किया गया और आज शाहीन पर दिल्ली पुलिस का हमला। हमारे उपर सरकार की मेहरबानी से उत्पीड़नात्मक कार्रवाईयां जारी है। हम सरकार से यह कहना चाहते हैं कि न तो हम पहले डरे थे और न ही आगे डरेंगे। 4PM में काम करने वाले पत्रकारों का जत्था जुनूनी है 4PM की टीम अपने संपादक, आपने बॉस, अपने मेंटोर सच्चे पत्रकार संपादक संजय शर्मा के साथ हर हाल हर दिशा में खड़ी है और सच्ची पत्रकारिता के साथ सरकार की आंख में आंख डालकर सवाल पूछती रहेगी।

4PM पर जुल्म की हर चोट के बाद और बुलंद होगा सच

जुल्म की उम्र लंबी नहीं होती लेकिन सच की आवाज सदियों तक गूंजती है। आज अगर किसी पत्रकार को सत्ता से सवाल पूछने की कीमत चुकानी पड़ रही है अगर कैमरा उठाने वाले हाथों को डराने की कोशिश हो रही है अगर सवाल पूछने वाली आवाज को पुलिस की ताकत से खामोश करने का दुस्साहस किया जा रहा है तो यह सिर्फ 4PM पर हमला नहीं है। यह उस लोकतंत्र की आत्मा को चुनौती है जिसमें सत्ता से सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार ही नहीं उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों को एक बात साफ समझ लेनी चाहिए कि 4PM डरने वाला नाम नहीं है। आप दबाव डाल सकते है आप धमका सकते हैं आप रास्ते रोक सकते हैं आप पत्रकार को थाने तक ले जा सकते हैं आप कैमरे के सामने खड़ी आवाज को डराने की कोशिश कर सकते हैं लेकिन सच को गिरफ्तार नहीं कर सकते। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजी हुकूमत के पास ताकत थी जेल थी कानून था लाठियां थी। उसके सामने भगत सिंह और चन्द्रशेखर आजाद के पास क्या था? एक अदम्य साहस एक विचार और यह विश्वास कि अन्याय के सामने सिर झुकाना जिंदगी नहीं है। भगत सिंह ने सवाल करना नहीं छोड़ा। आजाद ने गुलामी स्वीकार नहीं की। और इतिहास ने तय कर दिया कि सत्ता की ताकत बड़ी थी या उनकी आवाज। आज लड़ाई का मैदान बदल गया है आज हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं डर के उस माहौल से है जिसमें सत्ता को सवाल पसंद नहीं आते। हम किसी से युद्ध नहीं चाहते हम किसी से टकराव नहीं चाहते। हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री से सवाल पूछ जा सके। मंत्री से सवाल पूछ जा सके। पुलिस से सवाल पूछ जा सके। सरकार से सवाल पूछ जा सके। क्योंकि लोकतंत्र में सवाल अपराध नहीं होता और अगर सवाल अपराध है तो फिर लोकतंत्र का अर्थ क्या है? 4PM ने कभी सत्ता की आरती उतारने के लिए पत्रकारिता नहीं की। हमने सड़क पर उतरकर खबर की है लोगों के बीच जाकर सवाल किए हैं और जहां व्यवस्था कमजोर दिखी वहां सवाल खड़ा किया है। इसलिए हमें चुप कराने की कोशिश मत कीजिए एक पत्रकार को डराओगे तो दस सवाल खड़े होंगे। दस पत्रकारों को दबाओगे तो सौ कैमरे उठेंगे। आवाजों को रोकने की कोशिश करोगे तो पूरा समाज सवाल पूछेगा। यह लड़ाई किसी एक शाहीन की नहीं है यह लड़ाई किसी एक पत्रकार की नहीं है यह लड़ाई उस अधिकार की है जिसके बिना पत्रकारिता सिर्फ सरकारी विज्ञप्तियों की नकल बनकर रह जाएगी और 4PM नकल करने के लिए पैदा नहीं हुआ। हम सवाल पूछेंगे हम सच दिखाएंगे हम अन्याय पर बोलेंगे और दबाव चाहे जितना हो कलम नहीं रुकेगी क्योंकि याद रखिए जुल्म की हर चोट हमारी आवाज को कमजोर नहीं करती उसे और बुलंद करती है। आप 4PM पर चाहे जितने जुल्म कर लो सच की आवाज को दबा नहीं सकते क्योंकि 4PM सिर्फ एक चैनल नहीं सवाल पूछने की जिद है।

बड़े लोगों को क्लीन चिट मिल गई है, तो छोटे कर्मचारी अब भी जेल में : अखिलेश यादव

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्ति पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा एयर मार्शल सेवानिवृत्त जितेंद्र मिश्रा को पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किए जाने के बाद विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने चढ़ावा चोरी मामले में हुई कार्रवाई पर सफाई मांगी है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के तौर पर एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जितेंद्र मिश्रा की नियुक्ति पर सवाल उठाए और पूछा कि मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर्मचारी अब भी जेल में क्यों हैं, जबकि वरिष्ठ जिम्मेदारों को क्लीन चिट दे दी गयी है। मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति को लेकर पूछे गये सवाल पर कहा, इस बारे में मुझसे मेरी राय न पूछें क्योंकि नई बात की वजह से आप पुरानी बात भूल जाएंगे। उन्होंने मंदिर में चढ़ावे और दान की कथित चोरी के मामले में की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए। यादव ने कहा, अगर बड़े लोगों को क्लीन चिट मिल गई है, तो छोटे कर्मचारी अब भी जेल में क्यों हैं? उन्हें भी रिहा करवाएं उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भगवान राम को चढ़ाए गए चढ़ावे की लूट नहीं होगी।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जिले में दौरा महज पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी की तीन सितंबर को रामपुर मनिहारान में प्रस्तावित स्वाभिमान रैली से ठीक एक दिन पहले सपा अध्यक्ष का सहारनपुर पहुंचना पश्चिमी यूपी की सियासत में कई संदेश छोड़ गया। अखिलेश ने संगठन की नब्ज टटोलने के साथ हिंदू-मुस्लिम सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की। अखिलेश यादव पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसैन और चौधरी इंद्रसैन के आवास पर पहुंचे। इससे पहले उन्होंने स्टेट बैंक कॉलोनी स्थित सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा की। इसके बाद उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह भरा। इसके बाद वह पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान के आवास पर पहुंचे। दोनों स्थानों पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात का राजनीतिक संदेश साफ था कि सपा चुनाव से पहले संगठन को सक्रिय करने के साथ अपने सामाजिक आधार को भी मजबूत करना चाहती है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत

इस बीच, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के पद पर मिश्रा की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, मैं मंदिर के नए सीईओ की नियुक्ति पर बधाई देता हूं। मैं भगवान राम के चरणों में प्रार्थना करता हूं कि उनके आशीर्वाद से सब कुछ अच्छा हो।'

एसआईटी की तफ्तीश में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई : अराधना मिश्रा

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं विधायक आराधना मिश्रा ने कहा कि नियुक्ति करने वालों को ही पता होगा कि यह फैसला किस आधार पर लिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मंदिर के दान की कथित चोरी का मामला सिर्फ भ्रष्टाचार का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह देश की धार्मिक आस्था से जुड़ा है। मिश्रा ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि विशेष जांच टीम की तफ्तीश में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। मिश्रा ने कहा, पहले हमें बताएं कि दान और चढ़ावा चुराने वालों का क्या हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ छोटे कर्मचारियों को तो गिरफ्तार किया गया लेकिन उस समय मंदिर का प्रबंधन संभालने वाले लोगों यानी चंपत राय और अनिल मिश्रा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन लोगों के खिलाफ क्या किया है जिन्होंने पहले गड़बड़ी की थी : सुमन

सपा के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने भी राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कथित तौर पर शामिल लोगों के विरुद्ध सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा,नई कमेटियां बनाई जा रही हैं और नया सीईओ नियुक्त किया जा रहा है, लेकिन सरकार ने उन लोगों के खिलाफ क्या किया है जिन्होंने पहले गड़बड़ी की थी? सुमन ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार की बनाई गयी एसआईटी न्याय दिलाने में नाकाम रही है। उन्होंने फिर से मांग की कि मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। सुमन ने यह भी आरोप लगाया कि एसआईटी दोषियों को बचा रही है और उसकी जांच केवल कागजी खानापूर्ति बनकर रह गई है।

संतों की भी तीखी प्रतिक्रिया

वाराणसी में, पातालपुरी मठ के प्रमुख जगतगुरु बालक दास देवाचार्य महाराज ने सीईओ के पद पर मिश्रा की नियुक्ति का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन सरकार द्वारा नियुक्त सीईओ के बजाय संतों की देखरेख में होना चाहिए। इस कदम को विनाश काले विपरीत बुद्धि बताते हुए देवाचार्य ने कहा कि सीईओ सरकार के निर्देशों के अनुसार काम करेगा और मंदिर में वीआईपी कल्चर को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि एक प्रशासनिक अधिकारी कामकाज संभालने में तो सक्षम हो सकता है लेकिन जरूरी नहीं कि वह मंदिर की पूजा-पद्धति, परंपराओं और रीति-रिवाजों को समझे। देवाचार्य ने कहा, मठ और मंदिर की जिम्मेदारी संतों और उनकी देखरेख में होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा न होने पर अनियमितताएं, विवाद और 'वीआईपी कल्चर' जारी रहेगा।

पंजाब के कर्मचारियों का 14191 करोड़ रुपये बकाया तत्काल जारी करे सरकार : राजा वडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) तत्काल बहाल करने और बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान करने का आग्रह किया। वडिंग ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर कर्मचारियों के जायज बकाये का भुगतान जानबूझकर टालने और उनके साथ कानूनी लड़ाई को लंबा खींचने का आरोप लगाया।

मान को लिखे पत्र में वडिंग ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान की मांग जायज और उचित है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय पहले ही राज्य सरकार को निर्धारित समयसीमा के भीतर इसका भुगतान करने का निर्देश दे चुका है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार यह जानते हुए भी कि कर्मचारियों को अंतत: उनका बकाया मिलना ही है, इस मामले को बेवजह लंबा खींच रही है। वडिंग ने कहा कि पंजाब सरकार के कर्मचारियों का करीब 14,191 करोड़ रुपये का महंगाई भत्ता (डीए) बकाया है।

हिंदू अधिकारियों को खतरा क्यों नहीं : फारूक अब्दुल्ला

» कश्मीरी पंडितों को मिल रही धमकियों पर नेकां प्रमुख का सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को हाल ही में मिली धमकियां एक साजिश का हिस्सा हैं, जिसका मकसद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलने से रोकना है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि केंद्र शासित प्रदेश में तैनात वरिष्ठ हिंदू पुलिस अधिकारियों को ऐसी धमकियों का सामना क्यों नहीं करना पड़ रहा है।

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को हाल ही में मिली धमकियों पर नेकां के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये धमकियां कौन दे रहा है? क्या कश्मीरी पंडित यहां नहीं रहते? यहां के अधिकारी—डीआईजी, एसपी (जिला

समेत)सभी बाहर के हिंदू हैं। डिप्टी कमिश्नर भी हिंदू हैं। उन्हें धमकियां क्यों नहीं मिल रही हैं? सवाल यह है कि अगर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, तो उन्हें धमकियां क्यों नहीं मिल रही हैं? यह एक साजिश है। यह इस इलाके को राज्य का दर्जा न देने और डर का माहौल बनाने की चाल है। वे दुनिया भर में दावा कर रहे हैं कि यहां शांति बहाल हो गई है और उग्रवाद खत्म हो गया है। तो फिर यह सब कहां से आ रहा है? उन्हें इसका जवाब देने दें।

अब्दुल्ला पर भड़के भाजपा नेता भंडारी

अब्दुल्ला की बातों पर भाजपा से जुड़े राजनीतिक कमेंटेटर प्रदीप भंडारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता की आलोचना की। पर एक पोस्ट में, भंडारी ने अब्दुल्ला पर कश्मीरी हिंदुओं का मज़ाक उड़ाने का आरोप लगाया और समुदाय को मिली कथित धमकियों पर उनकी प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए। भंडारी ने कहा कि हिंदुओं को मिल रही इस्लामी धमकियों का सामना करने के बजाय, वह पूछते हैं हिंदू अधिकारियों को धमकियां क्यों नहीं मिल रही है? उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इन बयानों से आतंकवाद-समर्थक सोच झलकती है और कहा कि इन्हीं की वजह से घाटी से कश्मीरी हिंदुओं को विस्थापित होना पड़ा। भंडारी ने यह भी आरोप लगाया कि 70 कट्टर आतंकवादियों को रिहा किया गया और कश्मीरी हिंदुओं के मुद्दे पर कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला के रुख की आलोचना की।

जनता ने दिया है पांच साल का जनादेश : उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने इस्तीफे की मांग को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने भाजपा के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने उन्हें पांच साल का जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि वे पांच साल बाद जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया। उनके अनुसार भाजपा के पास कहने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि भाजपा उन्हें हर दिन निशाना बनाती है।

विस सत्र जेब फाड़ो और कोहनी मारो सत्र बनकर रह गया : अभय

» इनेलो अध्यक्ष ने कहा- इनेलो के दोनों विधायकों के साथ स्पीकर से मिलकर शिकायत करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि विधानसभा का तीन दिन का मानसून सत्र जनहित के मुद्दों पर चर्चा के बजाय जेब फाड़ो और कोहनी मारो सत्र बनकर रह गया। भाजपा और कांग्रेस आपस में बहस करतीं रहीं और जरूरी मुद्दे सदन में नहीं उठाए गए।

चौटाला ने कहा कि वह इनेलो के दोनों विधायकों के साथ जल्द ही विधानसभा

अध्यक्ष से मिलकर शिकायत करेंगे कि ऐसे सत्र का क्या फायदा जिसमें जनहित की बातें ना रखी जा सके। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री व राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर सवाल करेंगे कि अगर कोई चर्चा ही नहीं होनी थी तो सत्र क्यों बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि सभी विधायकों को बोलने के लिए केवल दो-दो मिनट दिए गए। इनेलो ने 12 से अधिक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगाए लेकिन बिगड़ती कानून व्यवस्था से जुड़ा केवल एक प्रस्ताव स्वीकार किया गया। सरकार से शिक्षकों की कमी और जर्जर स्कूलों के कारण एक लाख बच्चों के पढ़ाई छोड़ने व बढ़ते नशे पर भी जवाब मांगा लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। प्रदेश में सफाईकर्मी 29 दिन से हड़ताल पर हैं। उनकी मांगें सुनने के बजाय लाठीचार्ज किया जा रहा है। चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल की जयंती पर 27 सितंबर को मेवात में रैली होगी।

मूसलाधार बारिश ने शहर की सड़कों की मजबूती की खोल दी पोल

दो दिन की बारिश में सड़कें धंसने का बना रिकॉर्ड!

- लखनऊ में आधा दर्जन से अधिक जगह धंसी सड़कें
- कहीं पानी का रिसाव तो कहीं अंडरग्राउंड केबल बनी वजह
- सालों बाद भी सड़कों की नींव क्यों नहीं टिकती?

मो .शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बीते दो दिनों में हुई बारिश ने जहां बारिश के पुराने रिकॉर्ड को पछाड़ा वहीं इस मूसलाधार बारिश ने शहर की सड़कों की मजबूती की भी पोल खोल दी। अलग-अलग इलाकों में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर सड़क धंसने के मामले सामने आए हैं। इसी के साथ नगर निगम पर भी सवाल हो रहे हैं । हीं सड़क का बड़ा हिस्सा बैठ गया तो कहीं सड़क पर गहरे गड्ढे हो गए। इन घटनाओं ने सड़क निर्माण के साथ-साथ भूमिगत कामों के बाद की जाने वाली भराई और कॉम्पेक्शन की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क धंसने के मामलों को लेकर जब लोक निर्माण विभाग से जानकारी ली गई तो विभाग की ओर से कहीं पानी के रिसाव से मिट्टी बैठने तो कहीं अंडरग्राउंड केबल को संभावित कारण बताया गया। लेकिन सवाल यह है कि सड़क के नीचे होने वाले काम के कुछ साल बाद ही अगर सड़क बैठने लगे तो इसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

दो दिन की बारिश में आधा दर्जन से ज्यादा सड़कें बैठीं

बारिश के बाद राजधानी में सामने आए प्रमुख मामलों मेंचिनहट में तीन जगह सड़क बैठी। शहीद पथ की सर्विस लेन पर सड़क धंसी। आईटी चौराहे के पास करीब एक साल बाद फिर सड़क बैठ गई। विकास नगर में पहले भी कई बार सड़क धंस चुकी है, इस बार फिर सड़क बैठ गई। खुर्रम नगर में गोल्डन टी के पास सड़क धंस गई। शहर के एक कमता चौराहे के पास भी बारिश के बाद सड़क धंसने का मामला सामने आया।इन घटनाओं को अलग-अलग कारणों से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन सभी मामलों में एक सवाल समान है—आखिर सड़क के नीचे ऐसा क्या हो रहा है कि कुछ समय बाद सड़क की सतह जवाब देने लगती है?

अंडरग्राउंड काम के बाद क्यों बैठती है सड़क?

राजधानी में नगर निगम, बिजली विभाग, जल निगम, जलकल विभाग और विभिन्न निजी कंपनियों की ओर से लगातार अंडरग्राउंड केबल, पाइपलाइन, सीवर और अन्य सुविधाओं के लिए सड़क के नीचे काम किए जा रहे हैं। काम के दौरान सड़क की खुदाई होती है। इसके बाद मिट्टी भरकर सड़क को बहाल कर दिया जाता है। लेकिनअगर खुदाई के बाद मिट्टी की परत-दर-परत सही तरीके से कॉम्पेक्शन नहीं की गई तो शुरुआत में सड़क भले ही ठीक दिखाई दे, लेकिन समय के साथ नीचे की मिट्टी बैठने लगती है। बारिश का पानी इसमें पहुंचने पर समस्या और बढ़ जाती है और आखिरकार सड़क धंस जाती है।यही वजह है कि जिस सड़क पर काम होने के बाद सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, वहां कुछ महीने या कुछ साल बाद अचानक गड्ढा या धंसी सड़क नजर आने लगती है।

मुख्यमंत्री आवास से चंद कदम की दूरी पर भी लीकेज

मुख्यमंत्री आवास के सामने भी कई दिनों से सड़क पर पानी के रिसाव की समस्या बनी हुई है। जलकल और पीडब्ल्यूडी की टीमें लीकेज का पता लगाने और उसे ठीक करने में जुटी हैं। जलकल विभाग के जीएम कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचकर कई स्थानों पर हो रहे पानी के रिसाव की जांच कर चुके हैं। वहीं बापू भवन के गेट के बाहर भी पानी की पाइपलाइन की मरम्मत के बावजूद लीकेज की समस्या बनी हुई है। दूसरी ओर बिजली विभाग की ओर से लाइन डालने और मरम्मत के बाद भी शहर के कई हिस्सों में सड़क पर गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें दुरुस्त करने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की है।

हर बारिश में वही सवाल- सड़क की गुणवत्ता की जांच कौन करेगा?

सवाल सिर्फ यह नहीं है कि सड़क किस वजह से धंसी। बड़ा सवाल यह है कि सड़क के नीचे काम होने के बाद उसकी भराई और कॉम्पेक्शन की गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर हुई? सड़क दोबारा बनाने के बाद उसकी मजबूती की जिम्मेदारी किसकी थी? और अगर एक ही स्थान पर बार-बार सड़क बैठ रही है तो स्थायी समाधान के बजाय बार-बार री-पैचिंग क्यों की जा रही है? नगर निगम, जल निगम, जलकल, बिजली विभाग, पीडब्ल्यूडी और निजी कंपनियां शहर के विकास के लिए अलग-अलग काम कर रही हैं, लेकिन इन कामों का बोझ आखिरकार सड़कों और जनता को क्यों उठाना पड़ रहा है? बारिश ने एक बार फिर राजधानी के सामने वही पुराना सवाल खड़ा कर दिया है। सड़क ऊपर से चमकती है, लेकिन नीचे की नींव कितनी मजबूत है? जब तक भूमिगत कामों के बाद मिट्टी की भराई, कॉम्पेक्शन, पाइपलाइन और केबल की गुणवत्ता की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक हर बारिश के बाद सड़क धंसने की खबरें राजधानी के लिए नई नहीं रहेंगी। अब जरूरत गड्ढे भरने की नहीं, गड्ढे बनने की वजह और उसकी जिम्मेदारी तय करने की है।

आईटी चौराहे के पास हादसा, बाइक सवार घायल

आईटी चौराहे से पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के आवास के बाहर सीवर चैम्बर के पास सड़क बैठने से एक बाइक सवार युवक हादसे का शिकार हो गया। उसे चोटें आईं। गनीमत रही कि हादसा बड़ा नहीं हुआ। इस घटना ने सड़क धंसने की समस्या को महज सरकारी विभागों के बीच समन्वय का मुद्दा नहीं, बल्कि सीधे आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल बना दिया है।

सीवर लाइन में क्रैक भी बन सकता है बड़ा कारण

सीवर लाइन को लेकर भी इसी तरह की समस्या सामने आ रही है। समय के साथ सीवर लाइन पर लोड बढ़ने, पाइप में क्रैक आने या लीकेज होने से पानी आसपास की मिट्टी में पहुंच जाता है लगातार रिसाव के कारण मिट्टी कमजोर होकर बैठती है और ऊपर बनी सड़क भी धंसने लगती है। शहीद स्मारक रोड इसका उदाहरण है। यहां सीवर लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई की गई थी। बाद में पीडब्ल्यूडी ने सड़क बनाई, लेकिन बारिश के दौरान सड़क फिर बैठ गई। कई बार री-पैचिंग के बावजूद समस्या बनी हुई है।

पुराने से लेकर नए इलाके तक पानी से लबालब

राजधानी में सितंबर की शुरुआत जोरदार बारिश के साथ हुई। मंगलवार को सुबह से ही शहर के ज्यादातर इलाकों में घने काले बादल छाए रहे। सुबह करीब नौ बजे बारिश शुरू हुई, जो 11 बजे तक चलती रही। इससे दफ्तर और अन्य कामों से निकलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।दोपहर बाद एक बार फिर बादल सक्रिय हुए और तेज बारिश शुरू हो गई। देर शाम करीब दो घंटे तक हुई जोरदार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों और राहगीरों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। रिमझिम बारिश का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। शाम तक लखनऊ के चिनहट में 59 मिमी, 1090 चौराहे पर 54 मिमी और राजभवन क्षेत्र में 45.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट आई और मौसम में ठंडक महसूस की गई। इधर मौसम विभाग ने लखनऊ में अगस्त में हुई बारिश के आंकड़े भी जारी किए हैं। इसके अनुसार लखनऊ में अगस्त के दौरान 330.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 64 फीसदी अधिक है। अगस्त में शहर में सामान्य बारिश 2002 मिमी मानी जाती है। इसके पहले साल 24 में अगस्त माह में 338.7 मिमी और साल 18 में 405.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिशें नाकाफी

जलवायु परिवर्तन व प्रकृति का असंतुलन पूरी दुनिया को अपना शिकार बना रहा है। इसकी मार की वजह से के वल मनुष्य व जानवर ही परेशान नही है बल्कि पेड़ पोधे भी हैं। ये अब न केवल बच्चों का भविष्य छीन रहा है, लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है, बल्कि दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है। दावे कुछ भी किए जाएं दुनियाभर के शोधों-अध्ययनों का निष्कर्ष और हकीकत यह है कि मौजूदा हालात को देखते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिशें नाकाफी हैं और यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन का संकट दिनोंदिन विकराल होता जा रहा है। वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा, उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है। दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इन तथ्यों को प्रमाणित करते हैं।

सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि यदि जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियां विलुप्ति के कगार तक पहुंच जाएंगी। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन के चलते 7 से 16 फीसदी पौधे ऐसे हैं जो अपने रहने की 90 फीसदी से भी ज्यादा जगह खोने के कगार पर हैं। सच कहा जाए तो अब वे विलुप्ति के कगार पर पहुंच गए हैं। इसका असर इंसानों पर पड़े बिना नहीं रहेगा। देखा जाए तो किसी पौधे का आवास केवल जमीन का एक हिस्सा नहीं होता। बल्कि वह तापमान, बारिश, मिट्टी, नमी, छाया और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बहुतेरी परिस्थितियों का मेल होता है। जलवायु परिवर्तन इन सारी चीजों को बहुत ही तेजी से बदल रहा है। यही वजह है कि पौधे अपने अस्तित्व की खातिर अपने लिए उपयुक्त मौसम का पीछा करने की कोशिश कर रहे हैं। तापमान बढ़ने से पेड़-पौधों की बहुतेरी प्रजातियां पर्वतीय इलाकों में ऊंचाई की ओर या फिर ठंडे इलाकों की ओर रुख कर रही हैं।देश का हिमालयी अंचल इसका जीता-जागता उदाहरण है जहां तापमान वृद्धि के चलते पौधे पहाड़ों की ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं। यह हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में आ रहे बदलावों का एक प्रमुख संकेतक है। यहां लद्दाख से लेकर भूटान तक हिमालय के छह अलग-अलग क्षेत्रों में वनस्पति की सीमा ऊपर की ओर खिसकी है।

“ दावे कुछ भी किए जाएं दुनियाभर के शोधों-अध्ययनों का निष्कर्ष और हकीकत यह है कि मौजूदा हालात को देखते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिशें नाकाफी हैं और यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन का संकट दिनोंदिन विकराल होता जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नीट परीक्षा के आयोजन में मौजूद बुनियादी खामियां

कृष्ण कुमार

नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट) के साथ समस्या सिर्फ इसके पेपर लीक होने की प्रवृत्ति नहीं है। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि इसके काम का तरीका बहुत अपरिष्कृत है। इसके लिए जो ऊंचा लक्ष्य रखा गया है, वह इसके अंदरूनी पुराने तौर-तरीकों से मेल नहीं खाता। नीट का मकसद लाखों लोगों में से उन्हें चुनना है, जो मेडिकल कॉलेज में दाखिला पाने को सबसे योग्य हों। वास्तव में, इस मुश्किल काम को पूरा करने का तरीका बहुत सामान्य सा है। इसमें तीन विज्ञान विषयों—भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान—से 180 सवाल पूछे जाते हैं। ये सभी सवाल एक ही फॉर्मेट में होते हैं। हर सवाल के लिए चार संभावित जवाब दिए जाते हैं। उनमें से सिर्फ एक सही होता है। माना यह जाता है कि अगर छात्र होशियार है, तो वह तुरंत सही जवाब पहचान कर उसे चिह्नित कर देगा और अगले मल्टीपल-चॉइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) पर बढ़ जाएगा। इसी फॉर्मेट को एमसीक्यू कहते हैं।

यह फॉर्मेट भारतभर में इतना क्यों फैल गया है, यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब ढूंढ़ना वाजिब होगा। बैंकिंग से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक, लगभग हर क्षेत्र में अब शिक्षा और नौकरी के लिए उम्मीदवारों को चुनने के लिए एमसीक्यू सिस्टम का इस्तेमाल होता है। यह इतना पसंदीदा क्यों बन गया है? एक तो, एमसीक्यू के जरिए बड़े पैमाने पर परीक्षा लेना और तैयारी करवाना आसान होता है। कोचिंग उद्योग अब शिक्षा से भी बड़ा वित्तीय कारोबार बन गया है और इस उद्योग को एमसीक्यू बहुत भाता है। यह सिस्टम मशीनी तरीके से नंबरों का आकलन करने के लिए भी सुविधाजनक है। इस तरह की मार्किंग में निष्पक्षता दिखती है। पेपर लीक होने की घटनाओं को छोड़ दें, तो लोगों को सबसे ज्यादा चिंता पक्षपात की होती है; इसलिए अगर कोई तरीका इस समस्या को दूर करता हो, तो उसकी लोकप्रियता कम करना मुश्किल होता है। असल में, एमसीक्यू-आधारित परीक्षा प्रक्रिया की मार्फत बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की छंटाई कर उन्हें बाहर करना आसान बन जाता है।

चूंकि बाहर किए जाने की यह प्रक्रिया मशीनी होती है और इसलिए निष्पक्ष बन जाती है। यही वजह है कि इस प्रक्रिया को वैध माना जाता है, भले ही यह पूरी सटीक न हो। वैधता और सटीकता के बीच का फर्क समझना जरूरी है। 'वैधता' का मतलब है लोगों की सोच में और कानूनी तौर पर सही उतरना। दूसरी ओर, 'सटीकता' का मतलब है परीक्षा के तरीके का उसके

उद्देश्य से गहरा संबंध होना। नीट के खास संदर्भ में, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि जो छात्र तेजी से भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के एमसीक्यू हल कर सकता है, उसमें एक अच्छा डॉक्टर बनने की क्षमता और योग्यता, दोनों हैं। नीट का काम बस बड़ी संख्या में आवेदकों को छांटकर अलग करना है। छंटनी के बाद बाहर हो चुके छात्रों में कितनों में डॉक्टर बनने के लिए जरूरी गुण और क्षमता थी, इसकी किसी को परवाह नहीं है। इस बात की भी कोई परवाह नहीं करता कि बाहर किए गए छात्र समाज के कमज़ोर वर्गों से थे या नहीं। ज़्यादातर मामलों में, नीट और ऐसे ही दूसरी परीक्षाओं में सफलता कोचिंग से जुड़ी होती है। कोचिंग पर उम्मीदवार और उनके माता-पिता का काफी पैसा खर्च होता है। बहुत से छात्र किसी भी तरह की कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकते, अच्छे और नामी कोचिंग सेंटर्स की तो बात ही छोड़ दें; ये सेंटर्स अपनी सफलता की दर, अपने कोच और वहां रहने-सहने की सुविधाओं के प्रचार-प्रसार पर बहुत पैसा खर्च करते हैं। अत्यंत व्यावसायिक हो चुकी इन सेवाओं ने स्कूलों और शिक्षकों को अप्रासंगिक बना दिया है। नीट में हालिया पेपर लीक का मामला कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं थी। असल में, यह इतना आम हो गया है कि अगर कोई परीक्षा बिना पेपर लीक हुए भी हो जाए, तब भी लोगों में शक बना रहता है। प्रश्नपत्र लीक होने से परीक्षा का मकसद ही खत्म हो जाता है; साथ ही, यह उस सामाजिक माहौल को भी खराब कर देता है, जिसमें युवा रहते हैं और परीक्षा में सफल होने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं। पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं, और न ही यह धांधली का एकमात्र तरीका है, जिससे भारत की परीक्षा प्रणाली दरपेश है।

धांधली का मुख्य तरीका पेपर लीक बनने से बहुत पहले, गलत ढंग से सफलता पाने की कहानियां आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में आम चर्चा का विषय हुआ करती थीं। सवाल हल करने में मदद करने वाली कोई भी सामग्री परीक्षा केंद्र में साथ ले जाना मना था, लेकिन यह चलन इतना आम था कि इसने रवींद्रनाथ टैगोर तक का ध्यान खींचा। एक दिलचस्प जिक्र में, हैरान कविवर ने ऐसे छात्रों की तुलना हनुमान से की थी, जो लक्ष्मण की जान बचाने वाली खास जड़ी-बूटी लाने की बजाय पूरा पहाड़ ही उठा लाए थे।

'शोध लोकपाल' करे पौराणिक नुस्खों की जांच

दिनेश सी शर्मा

पिछले दिनों संसद में गोमूत्र को लेकर कुछ दिलचस्प टिप्पणियां की गईं। संदर्भ था, आईआईटी मद्रास के निदेशक वीझिनाथन कामाकोटी को प्रवेश परीक्षाओं में सुधार के लिए बनाए गए कार्यदल का सदस्य बनाना। इस विषय पर बहस के दौरान, कामाकोटी द्वारा गोमूत्र के उपयोग के समर्थन का अपरोक्ष जिक्र किया गया। बचाव में, सत्ताधारी पार्टी के कुछ सदस्यों ने गोमूत्र के कुछ गुणों के लिए मिले पेटेंट का हवाला दिया, यह साबित करने के लिए कि दावों का आधार वास्तव में वैज्ञानिक है। पिछले साल जनवरी में, कामाकोटी ने एक सार्वजनिक सभा में दावा किया था कि गोमूत्र में 'फफूंदनाशक, जीवाणु-नाशक और सूजन कम करने वाले' गुण होते हैं, जिन्हें 'वैज्ञानिक रूप से सही' पाया जा चुका है।

शिक्षा जगत के एक समूह ने कामाकोटी का समर्थन करते हुए कहा है कि गोमूत्र पर उनके विचारों को खारिज करना संविधान में निहित वैज्ञानिक सोच को कमज़ोर करने जैसा है, और उन्हें 'एक परिकल्पना प्रस्तुत करने और पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने' का अधिकार है। आईआईएम कलकत्ता के निदेशक ने भी कामाकोटी का बचाव किया है। गोमूत्र और गोबर पर अनुसंधान कोई नई बात नहीं है। 1970 और 1980 के दशक में भी कुछ दावे किए गए थे और शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे, लेकिन वे हाशिए पर ही रहे। नई बात यह है कि पौराणिक-धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिक रूप से सही साबित करने के लिए व्यवस्थित सरकारी प्रयासों के तहत ऐसे शोधों को आधिकारिक समर्थन मिल रहा है। नतीजतन, व्यावसायिक पत्रिकाओं में गोमूत्र और गोबर के बारे में लेखों और समीक्षाओं की बाढ़ आ गई है, और कुछ दावों पर पेटेंट के लिए अर्जियां जमा करवाई गई हैं। एक ओर वैज्ञानिकों की पेशेवर संस्थाएं इस पर चुप्पी साधे हुए हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे दावों को आईआईटी और आईआईएम के निदेशकों जैसे उच्च पदों पर बैठे लोगों का समर्थन मिल रहा है जो ज़रूरी नहीं कि जैव-रासायनिकी, फार्माकोलॉजी या दवा-अनुसंधान के विशेषज्ञ हों। पौराणिक विचारों और मान्यताओं को सही ठहराने के लिए वैज्ञानिक मान्यता गढ़ना कई कारणों से सही मायने में विज्ञान नहीं है।

खोज का यह तरीका पूर्व-धारणा और अपनी बात को किसी भी तरह सही साबित करने की प्रवृत्ति से शुरू होता है, जिसमें इसे गलत साबित किए जाने की गुंजाइश नहीं रखी जाती। प्राचीन ग्रंथों और पारंपरिक ज्ञान में मानव शरीर, बीमारियों और इलाज का जिक्र ऐसी अस्पष्ट शब्दावली में किया गया है कि उन्हें किसी भी आधुनिक खोज या धारणा के हिसाब से तोड़ा-मरोड़ा या समझाया जा सकता है। अक्सर इस तरीके का इस्तेमाल यह दावा करने के लिए किया जाता है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी, स्टेम सेल ट्रीटमेंट, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन और उपग्रह संचार जैसी उन्नत विधाएं मौजूद थीं।

गोमूत्र के मामले में भी पुष्टिकरण का यही ढंग अपनाने की कोशिश की जा रही है। गाय के मूत्र या गोबर में सूक्ष्म मात्रा में खनिजों और सक्रिय जैव-जीवाणुनाशक जैसे तत्वों का मिल जाना, उनके औषधीय गुणों का पक्का सबूत नहीं है, क्योंकि ठीक यही तत्व इंसानों और अन्य स्तनधारी जीवों (जैसे बैल, याक या हिरण) के मल-मूत्र में भी मिल सकते हैं। ज़्यादा से ज़्यादा, ऐसे शोध को छद्म-विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है, क्योंकि इसमें मूत्र की रासायनिक संरचना बताने के लिए कुछ वैज्ञानिक शब्दों का इस्तेमाल तो किया जाता है, लेकिन औषधीय फायदों के दावों का आधार वैज्ञानिक नहीं होता; क्योंकि जो कुछ भी किया गया है, वह पेट्री डिश में और गाय के मूत्र के कुछ अर्क का इस्तेमाल करके किया गया है, न कि पूरे मूत्र का। जब कोई शोध पूर्व-धारणा के साथ शुरू होती है, तो अक्सर नकारात्मक नतीजों को नजरअंदाज या दबा दिया जाता है। हाल ही में सरकार ने दावा किया कि एक नया अध्ययन स्थापित करता है कि पपीते के पत्तों का अर्क 'कीमोथेरैपी से जुड़े कम प्लेटलेट काउंट के लिए एक सस्ता इलाज है'। यह परिणाम एक ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ। हालांकि, स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद उक्त पत्रिका को नतीजों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ी। विशेषज्ञों ने पाया कि अनुसंधानकर्ता ने उन मरीजों के मामलों को जानबूझकर छोड़ दिया था, जो ठीक नहीं हुए थे, ताकि जैविक अर्क ज्यादा असरदार दिखे।

यही कुछ हल्दी के एक सक्रिय तत्व 'करक्यूमिन' के साथ भी है। इसे कैंसर समेत कई बीमारियों के इलाज में काम आने वाली एक चमत्कारी जड़ी-बूटी बताया गया है। हाल के सालों में पता चला है कि ये दावे संदिग्ध अनुसंधान पर आधारित हैं, भले ही वे अंतरराष्ट्रीय खोज पत्रिकाओं में छपे हों। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं अमेरिकी खोजकर्ता भरत अग्रवाल के लिखे करक्यूमिन पर 30 से ज्यादा शोधपत्र अब तक गलत डेटा, जाली तस्वीरों और हेरफेर किए गए आंकड़ों की वजह से वापस ले चुकी हैं। 1990 के दशक में, मुरादाबाद के खोजकर्ता आर.बी. सिंह ने इज़राइल और स्लोवाकिया के समकक्षों के साथ मिलकर, दिल की बीमारी बढ़ जाने पर 'इंडो-मेडिटेरेनियन डाइट' के फायदों की जांच और इसके नतीजे 'द लैंसेट' और 'ब्रिटिश मेडिकल जर्नल' में छापे। कुछ साल बाद, स्वतंत्र वैज्ञानिकों ने इन क्लिनिकल ट्रायल डेटा की सच्चाई पर सवाल उठाए। जब उनसे रॉ डेटा (मूल डेटा) उपलब्ध कराने के लिए कहा गया, तो सिंह ने दावा किया कि दीमक फाइलें चट कर गई हैं!

गोकुल में आनंद भयो जय कन्हैया लाल...

हिंदू धर्म में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार बहुत खास होता है। जन्माष्टमी का त्योहार सिर्फ भारत में हीं नहीं बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण का जन्म भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था इसलिए इस शुभ तिथि को भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में इस त्योहार को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह स्नान व ध्यान आदि करने के बाद घर के बाल गोपाल को नई पोशाक पहनाएं, भोग लगाएं और गोपी चंदन से श्रृंगार करें।

जन्माष्टमी का महत्व

इस पावन दिन भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार करके झूला सजाया जाता है फिर उन्हें झूला झुलाया जाता है। स्त्री व पुरुष दोनों ही रात के बारह बजे तक व्रत रखते हैं। रात को बारह बजे शंख तथा घंटों की आवाज से श्रीकृष्ण के जन्म की सुचना चारों दिशाओं में गूंज उठती है। भगवान श्री कृष्ण जी की आरती उतारी जाती है और भोग लगा कर प्रसाद का वितरण किया जाता है।

जन्माष्टमी की कथा

द्वापर युग के अंत में कंस की बहन देवकी का विवाह वासुदेव के साथ हुआ लेकिन एक आकाशवाणी हुई, हे कंस! देवकी का आठवां पुत्र तेरा संहार करेगा। इस भय से उसने दोनों को कारागार में डाल दिया। वहीं भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण जी का जन्म हुआ। उनके जन्म लेते ही जेल की कोठरी में प्रकाश फैल गया।

शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि की शुरुआत 4 सितंबर 2026 को रात 2 बजकर 25 मिनट पर होगी। इसका समापन 5 सितंबर को रात 12 बजकर 13 मिनट पर होगा। उदयातिथि और श्रीकृष्ण के जन्म के निशिता काल को ध्यान में रखते हुए 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की पूजा का शुभ समय 4 सितंबर की रात 11 बजकर 57 मिनट से 5 सितंबर की रात 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगा। इसी दौरान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाएगा। वहीं, व्रत का पारण 5 सितंबर की सुबह 6 बजकर 01 मिनट किया जा सकता है।

पूजन विधि व व्रत

इस व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारणा से व्रत की पूर्ति होती है। उपवास वाले दिन प्रातः स्नानादि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करके पूर्व या उत्तर को मुख करके बैठें। हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर संकल्प करके मध्यान्ह के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएं। अब इस सूतिका गृह में सुन्दर बिछौना बिछाकर उस पर शुभ कलश स्थापित करें। साथ ही देवकी जी की मूर्ति या सुन्दर चित्र की स्थापना करें। पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी जी इन सबका नाम क्रमशः लेते हुए विधिवत पूजन करें। यह व्रत रात्रि बारह बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फ़ी और सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाया जाता है।

भाग्य को मजबूत बनाने का उपाय

जन्माष्टमी के दिन बाल गोपाल को केसर-मेवा मिश्री साबूदाने या खीर का तुलसी दल डालकर भोग लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि खीर में चीन की जगह मिश्री की डली डालें। साथ ही सफेद मिठाई भी अर्पित करें। ऐसा करने से कान्हा की कृपा मिलती है और भाग्य भी मजबूत होता है।

व्यवसाय में उन्नति के लिए उपाय

कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह-शाम 11 बार तुलसी की परिक्रमा करें और घी का दीपक जलाएं। इसके बाद 108 बार 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप' करें। साथ ही कपूर जलाकर उस पर थोड़ी मिसरी डाल दें और कपूर और मिश्री का दान भी करें।

आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

कर्ज की समस्या से परेशान हैं तो जन्माष्टमी के दिन दक्षिणावर्ती शंख से भगवान कृष्ण का अभिषेक करें। दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है और लक्ष्मी पूजा में इस शंख के बिना पूजा पूरी नहीं होती। ऐसा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

हंसना मना है

सास: जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई: सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास: छिपकली क्यूं? जमाई: क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

दो पंड़ितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंड़ित: क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंड़ित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इसने चिकन में डाला ही क्यों?

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

कहानी | ब्राह्मण और सांप

किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके खेत में ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। आंख खुली तो देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। हरिदत्त कहीं से दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दुःख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यक्षेत्र में काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है, पर एकाग्रता से सफलता मिलेगी। कारोबारी हैं तो व्यापार में नए सौदों के लिए बातचीत शुरू हो सकती है।

वृषभ

दफ्तर में आपके सुझावों का स्वागत होगा, अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलेगा। कारोबार में पुरानी योजनाओं से अच्छा लाभ मिलने के योग हैं।

मिथुन

नौकरी में नई परियोजनाओं में काम करने का अवसर मिलेगा, प्रतिभा निखरेगी। कारोबार में साझेदारों के साथ मिलकर काम करने से बड़ा मुनाफा होगा।

कर्क

नौकरी में सहकर्मियों के साथ मिलकर किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं जो कि फलदायी होगी।

सिंह

नौकरी में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी, नया पद मिल सकता है। कारोबार में लंबे समय के निवेश के लिए दिन बहुत अनुकूल है। पर्याप्त नींद लें।

कन्या

कार्यस्थल पर धैर्य रखें, वरिष्ठों की बात ध्यान से सुनें। कारोबारी हैं तो व्यावसायिक लेनदेन में लिखापढ़ी का विशेष ध्यान रखें। लव पार्टनर के साथ संयम से बात करें।

तुला

नौकरी में पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी, टीम के साथ काम सफल रहेगा। कारोबार में ग्राहकों से नए ऑर्डर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक

नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, नए लक्ष्य हासिल करेंगे। कारोबार में जोखिमभरे फैसलों से बचें। बाजार देखकर ही आगे बढ़ें। फिजूलखर्ची से बचें।

धनु

कार्यक्षेत्र में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, अटके प्रोजेक्ट्स गति पकड़ेंगे। कारोबारी हैं तो विदेशों या दूर के स्थानों से जुड़े काम में मुनाफा होगा। लव लाइफ खुशनुमा रहेगी।

मकर

कार्यस्थल पर राजनीति से दूर रहें, अपने काम पर केंद्रित रहें। कारोबार में नई डील साइन करने में हड़बड़ी न करें। लव पार्टनर आपकी स्थिति को समझेगा।

कुम्भ

कार्यस्थल पर सहकर्मियों के सहयोग से कठिन कार्य भी आसानी से निपट जाएंगे। कारोबारी हैं तो व्यापार विस्तार की योजनाएं सफल होंगी। निवेश के नए मौके मिलेंगे।

मीन

नौकरी में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। कारोबारी हैं तो व्यापारिक साख बढ़ेगी। पुराने क्लाइंट से बड़ा लाभ हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे गंभीर रोल में देखकर चौंक जाते थे स्कूल कालेज के दोस्त : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू ने अब तक कई गंभीर किरदार निभाए हैं, लेकिन उनके स्कूल-कॉलेज के दोस्तों को आज भी उन्हें ऐसे रोल में देखना थोड़ा अजीब लगता है। तापसी बताती हैं कि वे लोग उन्हें हमेशा से अलग अंदाज में जानते हैं और चाहते हैं कि वह कॉमेडी भी करें। लोगों को यकीन करना मुश्किल होता है कि मैं इतने सीरियस रोल करती हूं तापसी कहती हैं, मुझे लगता है कि कॉमेडी एक ऐसा जॉनर है, जिसे मैंने अभी तक पूरी तरह एक्सप्लोर नहीं किया है। जो लोग मुझे पर्सनली जानते हैं, खासकर स्कूल और कॉलेज के समय से, उन्हें यह विश्वास करना बहुत मुश्किल लगता है कि मैं इतने सीरियस रोल करती हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे कभी सीरियस देखा ही नहीं है। वह आगे कहती हैं, उनके लिए यह देखना बहुत मुश्किल है कि मैं इतना हैवी लिपिटंग और इतना इंटेंस इमोशन करती हूं। उन्होंने मुझे अपनी लाइफ में ऐसा कभी करते नहीं देखा। तो उनके लिए यह बहुत बड़ा शॉक है। जो लोग मुझे पर्सनल लेवल पर जानते हैं, वे चाहते हैं कि मैं कॉमेडी करूं। तापसी का मानना है कि महिला के नजरिए से कॉमेडी को अभी उतना एक्सप्लोर नहीं किया गया है। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि हमने अभी तक एक महिला के नजरिए से कॉमेडी को उतना एक्सप्लोर नहीं किया है। मुझे नहीं पता क्यों... हालांकि, मैं कॉमेडी का ऑब्जेक्ट नहीं बनना चाहती, मैं कॉमेडी करना चाहती हूं। इसी वजह से उन्होंने मल्टीस्टारर फिल्म खेल खेल में भी की। तापसी कहती हैं, मैंने उसमें थोड़ा अलग तरह का मजाकिया किरदार करने की कोशिश की थी। उस फिल्म को करने की एक बड़ी वजह यही थी कि मैं इस जॉनर को आजमाना चाहती थी। वो वाकई एक अलग तरह की फिल्म थी। उम्मीद है कि आगे भी मुझे कुछ अच्छा करने का मौका मिलेगा।

कॉमेडी में फिर वापसी करेंगी ईशा देओल 'मालामाल वीकली 2' में आएंगी नजर

बॉलीवुड | गपशप

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है। इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है। ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया।

उन्होंने कहा, 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।' बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

15 अक्टूबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2'

बॉलीवुड | मसाला

जेलर 2 को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कई तरह की खबरें सामने आ रही थीं। कहा जा रहा था कि फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है और इसके कुछ हिस्सों की दोबारा शूटिंग भी की जा रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने इन सभी खबरों को खारिज कर दिया है।

आज 'जेलर 2' के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करके साफ कर दिया कि फिल्म की रिलीज डेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सन पिक्चर्स ने एक्स पर एक नई तस्वीर शेयर करते हुए कंफर्म किया कि 'जेलर 2' पोस्टपोन नहीं हुई है। फिल्म पहले से तय तारीख यानी 15 अक्टूबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'अक्टूबर 15 को हम तूफान मचाने आ रहे हैं।' फिल्म की रिलीज डेट दशहरा के आसपास पड़ रही है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि फिल्म को पहले वीकेंड पर बड़ी ओपनिंग मिल सकती है। 'जेलर 2'

को नेल्सन दिलीपकुमार ने लिखा और डायरेक्ट किया है। यह फिल्म साल 2023 में आई सुपरहिट फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। पहली फिल्म में रजनीकांत और राम्या कृष्णन मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। 'जेलर 2' में रजनीकांत और राम्या कृष्णन एक बार फिर अपने पुराने किरदारों में नजर आएंगे। दोनों फिल्म में पति-पत्नी का किरदार निभाएंगे। इसके अलावा योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक भी अपने पहले पार्ट वाले किरदारों को दोबारा निभाते नजर आएंगे।

अजब-गजब | रजस्वला कामाख्या देवी से है इस नदी का सीधा कनेक्शन!

भारत की वो नदी, जिसका पानी 3 दिन के लिए हो जाता है लाल

भारत में नदियों को मां का दर्जा दिया जाता है। गंगा, यमुना, नर्मदा जैसी नदियां स्त्री रूप में पूजी जाती हैं और उन्हें जीवनदायिनी माना जाता है। लेकिन असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी कुछ अलग है। स्थानीय मान्यताओं में इसे कभी-कभी पुरुष नदी भी कहा जाता है। इसकी सबसे रहस्यमयी और चर्चित बात यह है कि हर साल तीन दिनों के लिए इसका पानी लाल हो जाता है। यह घटना धार्मिक आस्था और प्रकृति दोनों से जुड़ी हुई है।

यह रहस्यमयी घटना असम के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर से जुड़ी है। गुवाहाटी के नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या मंदिर शक्तिपीठों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां देवी कामाख्या की पूजा योनि स्वरूप में होती है। इसकी कोई मूर्ति नहीं है। गर्भगृह में एक प्राकृतिक चट्टान है जिस पर झरना बहता है। यही झरना देवी का प्रतीक है। हर साल जून के मध्य में (असमिया महीने आहार में) अम्बूबाची मेला मनाया जाता है। इन तीन दिनों में मंदिर के कपाट पूरी तरह बंद कर दिए जाते हैं। मान्यता है कि माता कामाख्या इन दिनों रजस्वला होती हैं। ठीक वैसे ही जैसे सामान्य स्त्री को मासिक धर्म के दौरान आराम की जरूरत होती है, वैसे ही देवी को भी इन तीन दिनों में विश्राम दिया जाता है। मंदिर में पूजा-पाठ बंद रहता है। भक्त भी कई नियम अपनाते हैं। जैसे खेती ना करना, पवित्र ग्रंथ ना पढ़ना आदि। इसी

अवधि में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी (खासकर मंदिर के आसपास का हिस्सा) लाल दिखाई देने लगता है। भक्तों का दृढ़ विश्वास है कि यह माता कामाख्या का रक्त है जो नदी में मिल जाता है।

कई लोग इसे देवी की शक्ति और उर्वरता का प्रतीक मानते हैं। मेला के दौरान हजारों श्रद्धालु गुवाहाटी पहुंचते हैं। वे नदी के लाल पानी को देखने और देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। तीन दिन बाद जब मंदिर खुलता है तो लाल वस्त्र (रक्त वस्त्र या अम्बूबाची वस्त्र) प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। भक्त इसे बहुत पवित्र मानते हैं और घर ले जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों और तंत्र परंपरा में कामाख्या देवी स्त्री शक्ति, काम और सृजन की अधिष्ठात्री हैं। अम्बूबाची मेला मासिक धर्म को गंदगी या अशुभ ना मानकर पवित्र और स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में सम्मान देता है। यह रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने वाला उत्सव भी है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नीलांचल पहाड़ियों की मिट्टी और चट्टानों में आयरन ऑक्साइड (लोहे का ऑक्साइड) और सिंदूर जैसे लाल रंग के खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जून में असम में भारी मानसूनी बारिश होती है। बारिश का पानी पहाड़ियों से बहकर इन खनिज युक्त मिट्टी को साथ लेकर ब्रह्मपुत्र में मिलता है। इससे नदी का पानी लाल या गहरे मटमैले लाल रंग का दिखाई देने लगता है। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि पूरा विशाल ब्रह्मपुत्र नदी लाल नहीं होती, बल्कि मंदिर के आसपास का स्थानीय जल प्रभावित होता है। प्राकृतिक झरने का पानी भी इसमें भूमिका निभा सकता है। दोनों दृष्टिकोण, धार्मिक और वैज्ञानिक, साथ-साथ मौजूद हैं। आस्था रखने वाले इसे देवी का चमत्कार मानते हैं, जबकि विज्ञान इसे प्रकृति की प्रक्रिया बताता है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक लगते हैं। आस्था लोगों को जोड़ती है और विज्ञान जिज्ञासा शांत करता है।

ब्रह्मपुत्र नदी भारत की प्रमुख नदियों में से एक है। यह तिब्बत से निकलकर अरुणाचल प्रदेश और असम से होकर बांग्लादेश में मिलती है। इसकी विशालता और शक्ति के कारण इसे पुरुष नदी की उपमा दी जाती है। जबकि ज्यादातर भारतीय नदियां स्त्री रूप में पूजी जाती हैं। कामाख्या मंदिर के साथ इसका संबंध इसे और खास बना देता है।

दुनिया का सबसे सस्ता देश, जमीन में छुपा है सोने का भंडार, महल जैसे है मेट्रो स्टेशन

उज्बेकिस्तान आजकल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इसे दुनिया का सबसे सस्ता देश बता रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि अगर कोई भारतीय अपनी जेब में सिर्फ एक हजार रुपये लेकर उज्बेकिस्तान पहुंच जाए, तो वह वहां सीधे लखपति बन जाता है। यह बात सुनने में अजीब लग सकती है, लेकिन मनी एक्सचेंज रेट और वहां की जीवनशैली को समझने के बाद यह दावा काफी हद तक सही साबित होता है। उज्बेकिस्तान मध्य एशिया का एक खूबसूरत देश है। ताशकंद, समरकंद, बुखारा और खीवा जैसे शहरों में ऐतिहासिक इमारतें, मस्जिदें, मदरसे और बाजार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। लेकिन सिर्फ खूबसूरती ही नहीं, यहां की अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा की जिंदगी भी भारतीय पर्यटकों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है।

उज्बेकिस्तानी मुद्रा को सोम कहा जाता है। भारतीय रुपये और सोम के बीच विनिमय दर ऐसी है कि एक हजार रुपये से काफी बड़ी रकम सोम में मिल जाती है। जब पर्यटक स्थानीय बाजार में जाते हैं तो खाने-पीने, रहने और घूमने का खर्च बहुत कम पड़ता है। होटल, टैक्सी, स्थानीय खाना और स्मृति चिन्ह इतने सस्ते होते हैं कि भारतीय पर्यटक को लगता है जैसे उसकी क्रय शक्ति कई गुना बढ़ गई हो। इसी वजह से सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि हजार रुपये वाला भारतीय यहां लखपति जैसा महसूस करता है। जीवनशैली की बात करें तो उज्बेकिस्तान में रोजमर्रा की वस्तुएं भारतीय शहरों की तुलना में काफी सस्ती है। सब्जियां, फल, मांस, ब्रेड और स्थानीय व्यंजन बहुत कम कीमत पर उपलब्ध होते हैं। सार्वजनिक परिवहन भी सस्ता है। टैक्सी किराया और मेट्रो दोनों ही किफायती है। पर्यटक अगर बजट होटल या गेस्ट हाउस में रुकें तो एक रात का खर्च बहुत कम आता है। उज्बेकिस्तान सिर्फ सस्ता देश ही नहीं है, बल्कि यहां प्राकृतिक संसाधन भी प्रचुर मात्रा में मौजूद है।

देश की जमीन में सोने का विशाल भंडार छिपा हुआ है। उज्बेकिस्तान दुनिया के प्रमुख सोना उत्पादक देशों में शामिल है। मुरांटाऊ सोने की खदान दुनिया की सबसे बड़ी खुली खदानों में से एक मानी जाती है। इसके अलावा कई अन्य खदानें भी सक्रिय हैं जहां से सोना निकाला जाता है। यह प्राकृतिक संपदा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देती है। पर्यटन की दृष्टि से उज्बेकिस्तान एक आकर्षक डेस्टिनेशन है समरकंद का रेगिस्तान, बुखारा का पुराना शहर, ताशकंद के आधुनिक और ऐतिहासिक स्थल पर्यटकों को लुभाते हैं। सिल्क रोड के ऐतिहासिक मार्ग पर स्थित ये शहर दुनिया भर के यात्रियों को आकर्षित करते हैं। भारतीय पर्यटकों के लिए यहां वीजा प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान है और उड़ानें भी उपलब्ध हैं। यही वजह है कि धीरे-धीरे ये देश भारतीयों की लिस्ट में ऊपर आता जा रहा है।

आर्थिक मदद से रागिनी की राह हुई आसान

बिटिया को व्हीलचेयर और 25 हजार की सहायता मिली

» रागिनी को कृत्रिम पैर लगवाने कानपुर के एलिम्को लेकर जाएंगे पार्टी के साथी : सांसद संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया/वाराणसी/लखनऊ । आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देशानुसार आप कार्यकर्ताओं ने बलिया जिले की बहादुर बिटिया रागिनी की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सर्वेश मिश्रा, बलिया जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव और महासचिव अंजनी तिवारी ने रागिनी के घर पहुँचकर उसे व्हीलचेयर, बैसाखी, कॉपी कलम और 25,हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की।

सांसद संजय सिंह ने खुद बिटिया और उसके परिजनों से फोन पर बात कर उनका हौसला बढ़ाया और भविष्य में हर संभव मदद का भरोसा दिया। सांसद संजय सिंह ने कहा कि बलिया के मनियर ब्लॉक के दिघेड़ा ग्राम सभा के रानीपुर में रहने वाली 7 वर्षीय रागिनी की कहानी अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायक है। मात्र 6 महीने की उम्र में एक दर्दनाक हादसे ने रागिनी से उसका एक पैर छीन लिया था, लेकिन उसके हौसले को नहीं तोड़ सका। वह नन्ही सी जान अपने घर से 400 मीटर दूर स्थित स्कूल तक एक पैर से कूदते हुए जाती थी। संजय सिंह ने कहा कि जब हमें इस साहसी बिटिया के बारे में पता चला, तो हमने तय किया कि रागिनी की पढ़ाई और उसकी राह में शारीरिक अक्षमता को बाधा नहीं बनने देंगे।

संजय ने कार्यकर्ताओं में जगाई सेवा की अलख : सर्वेश मिश्रा

रागिनी से मिलने पहुँचे आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सर्वेश मिश्रा ने सांसद संजय सिंह के विजन की सराहना करते हुए कहा कि, सांसद संजय सिंह भईया ने पार्टी के सभी साथियों में सेवा भावना को और प्रबल किया है। उन्होंने (संजय सिंह) जिस तरह अपना हाथ इस बच्ची के सिर पर रखा है, उससे हमें पूरा विश्वास है कि जीवन में अब इसे किसी चीज की कमी नहीं होगी। सर्वेश मिश्रा ने कहा कि सांसद जी के मार्गदर्शन में पूरी पार्टी प्रदेश के पीड़ित और शोषित वर्गों की सेवा के लिए हमेशा तैयार खड़ी है।

अभाव में जी रहे बच्चों की मुस्कान ही हमारी असली पूंजी : सांसद

सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल राजनीति के लिए नहीं बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ऐसे कई बच्चे हैं जो संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं। रागिनी जैसी बिटिया की मुस्कान हमारे लिए किसी भी चुनावी जीत से बड़ी है। सांसद संजय सिंह ने वीडियो कॉल के जरिए भी रागिनी से बात की, उसका हाल जाना, उसका हौसला बढ़ाया और उसे खूब पढ़ने और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। बिटिया के परिजनों ने इस मानवीय पहल के लिए सांसद संजय सिंह और आम आदमी पार्टी का आभार व्यक्त किया।

कृषि कानूनों को वापस लाने की शर्त पर भाजपा-अकाली दल में समझौता

» पंजाब सीएम का दावा- भाजपा वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संगरूर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि भाजपा तीनों 'काले' कृषि कानूनों को वापस लाने की शर्त पर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ समझौता करने की तैयारी कर रही है। मान ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित अकाली-भाजपा गठबंधन केवल 'राजनीतिक फायदे' के लिए बनाया जा रहा है। मान ने कहा कि शिअद सत्ता हासिल करने के लिए 'पंजाब में कुछ भी बेचने' को तैयार है और दावा किया कि पंजाबी कभी भाजपा को वोट नहीं देंगे। मान ने आरोप लगाया कि भाजपा वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब विवि के छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी की जीत ने दोनों दलों के बीच 'गठजोड़' को उजागर कर दिया है।

इस चुनाव में अकाली दल के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया' ने एबीवीपी का समर्थन किया था। मान ने कहा कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर 'पंजाब विरोधी' रुख अपनाता रहा है। मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया कि अगर अकाली-भाजपा गठबंधन सत्ता में आता है तो वह किसानों पर एक बार फिर ''कठोर'' कृषि कानून थोप सकता है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में गिल और बुमराह खिसके

» पडिक्कल को फायदा, पंत सातवें नंबर पर, यशस्वी अपने स्थान पर बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान और जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसक गए, जबकि देवदत्त पडिक्कल 54वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। गिल दो स्थान नीचे नौवें नंबर पर खिसक गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सातवें स्थान पर शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं। यशस्वी जायसवाल की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह भारतीय सलामी बल्लेबाज 11वें स्थान पर है। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में दो शतक की मदद से 328 रन बनाने वाले पडिक्कल पांच पायदान ऊपर 54वें स्थान पर पहुंच गए।

दिग्गज तेज गेंदबाज बुमराह ने हालांकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान गंवा दिया है। अब वह ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी के बाद तीसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका के सोनल दिनुशा रैंकिंग में 29 पायदान ऊपर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान की छलांग लगाई है और वह अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। टंग ने भी बड़ी बढ़त हासिल की है। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने सीरीज के दौरान 20 पायदान की बढ़त हासिल की है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि मोहम्मद अली 11 स्थानों की छलांग लगाई और 81वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के सऊद शकील 15 स्थान ऊपर चढ़ाकर 18वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जिससे वे कप्तान बाबर आजम के बाद पाकिस्तान के दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, बाबर पांच स्थान नीचे खिसककर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

एशियाई खेलों के लिए बांग्लादेश की पुरुष टीम घोषित

ढाका। बांग्लादेश ने जापान में होने वाले आगामी एशियन गेम्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय टी20 टीम घोषित की है, जिसमें नजमुल हुसैन शांतो और तेज गेंदबाज हसन महमूद को वापस बुलाया है। वहीं, लिटन दास हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। शांतो पिछले साल मई में यूएई के खिलाफ खेलने के बाद सबसे छोटे फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं। तेज गेंदबाज हसन महमूद भी पिछले साल पाकिस्तान दौरे पर खेलने के बाद राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने तीन मैचों में 11.30 की इकॉनमी रेट से तीन विकेट लिए थे। महमूद को डार्विन टेस्ट जीत में शांतो के साथ प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। विकेटकीपर बल्लेबाज नुरुल हसन और अब्दुल गफ्फार सकलैन को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नाहिद राणा साइड स्ट्रेन से उबरने के कारण टीम में जगह नहीं बना पाए हैं।

टीएमसी दफ्तर पर हमले पर सियासी बवाल

» भाजपा पर भड़के टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी, बोले - क्या गृहमंत्री या पीएमओ कोई कार्रवाई करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के बीच वार-पलटवार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजापा) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कोलकाता के कामाक स्ट्रीट स्थित टीएमसी दफ़्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों नेहथियारों से लैस होकर हमला किया। अभिषेक बनर्जी ने इस घटना को चौंकाने वाला और अस्वीकार्य करार देते हुए पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए हैं।

एक्स (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर करते हुए, डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद ने कहा कि कामाक स्ट्रीट पर स्थित टीएमसी दफ्तर पर भाजपा ने हथियारों से हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया और उनसे फ़ोन छीन लिए गए, जबकि पूरे दफ्तर मेंतोड़-फोड़ की गई और वहां मौजूद इलेक्ट्रॉनिक सामान नष्ट कर दिए गए। अभिषेक ने कोलकाता पुलिस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी की ओर से बार-बार कॉल और ईमेल किए जाने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

टीएमसी महासचिव ने की जांच की मांग

उन्होंने मांग की कि आरोपियों को तुरंत गिरफ़्तार किया जाए और इस बात की जाँच हो कि इस हिंसा की योजना किसने बनाई, इसे किसने आयोजित किया और किसने निर्देश दिए। उन्होंने इस बात की भी जांच की मांग की कि पुलिस समय पर कार्रवाई करने में क्यों नाकाम रही। उन्होंने कहा, कोई भी राजनीतिक दल या हथियारों से लैस गुंडों का समूह कानून से ऊपर नहीं हो सकता। अगर लोग सुबह 4.30 बजे हथियारों के साथ किसी राजनीतिक दल के दफ़्तर में घुस सकते हैं, लोगों के साथ मारपीट कर सकते हैं और संपत्ति में तोड़-फोड़ कर सकते हैं, जबकि पुलिस वहां मौजूद न हो, तो पश्चिम बंगाल में कानून के शासन का क्या मतलब रह जाता है? उन्होंने आगे कहा, अब बहुत हो चुका। दोषियों को गिरफ़्तार करें।

2027 विस चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा: मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने घोषणा की है कि बसपा 27 के यूपी विधानसभा चुनाव सहित सभी आगामी चुनाव अकेले लड़ेगी, जिसमें गठबंधन से दूरी बनाने की स्पष्ट रणनीति दिख रही है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपरिपक्व बताते हुए बड़ी जिम्मेदारी से दूर रखा है, जो पार्टी के भविष्य के नेतृत्व पर सवाल उठाता है।

यह कदम बहुजन समाज के हितों पर केंद्रित पार्टी की पारंपरिक एकला चलो नीति की निरंतरता को दर्शाता है, लेकिन 22 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसकी प्रभावशीलता पर बहस तेज होगी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को घोषणा की कि पार्टी पूरे भारत में आने वाले सभी चुनाव अकेले लड़ेगी, जिसमें 27 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भी शामिल हैं।

वोटर लिस्ट में मेरा नाम गलत दिखाया

» भाजपा नेता राघव ने आप पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में एसआईआर की लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम हटने के बाद राजनीति शुरू हो गई है। राघव ने कहा कि उन्हें वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट से शिफ्टेड मार्क करके हटाया गया है, जो बदले की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। चड्ढा ने ईसीआई की गाइडलाइंस के उल्लंघन का भी दावा किया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद ने पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की आप सरकार ने राजनीतिक बदले की भावना से काम किया है। चड्ढा के अनुसार, मतदाता सूची के मसौदे में उनका नाम गलत तरीके से दूसरी जगह चले जाने वाला (शिफ्टेड) दिखाया गया है।

वह पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और उनका मतदाता पहचान पत्र मोहाली में पंजीकृत है। चड्ढा ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल मसौदा मतदाता सूची है, अंतिम सूची नहीं। दावे और आपत्तियां की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें नामों में सुधार किया जा सकता है। अंतिम मतदाता सूची अक्तूबर 026 में प्रकाशित होगी। सांसद चड्ढा ने बताया कि वह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) दिशानिर्देशों के तहत उपलब्ध उपायों का लाभ उठा रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर उठाये सवाल, कहा-

लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है?

» कांग्रेस अध्यक्ष का भाजपा सरकार पर करारा प्रहार

» बोले रास सांसद व नेता - कांग्रेस ने देश को खाद्य सुरक्षा दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एकबार फिर एनडीए सरकार व भाजपा पर तीखा प्रहार किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है, जबकि कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। खरगे ने यहां 'डॉ. वाई. एस. राजशेखर रेड्डी पुरस्कार-26 समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन के नाम पर स्थापित संस्था 'एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' को दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति के माध्यम से भूख के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जबकि सोनिया गांधी के प्रयासों से देश में खाद्य सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कानून आया। उन्होंने कहा कि 1960-61 से 1980-81 के बीच चावल का उत्पादन 3.46 करोड़ टन से बढ़कर 5.36 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 1.1 करोड़ टन से बढ़कर 3.63 करोड टन हो गया। खरगे का कहना था कि हरित क्रांति ने भारत को अनाज के कटोरे में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शुद्धिकरण मामले में खरगे ने लिखी जेपी नड्डा को चिट्ठी कहा- हैरान हूं... अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के सदन के नेता जेपी नड्डा को पत्र लिखकर हाल ही में हुए शुद्धिकरण विवाद पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। खरगे ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा के सदन के नेता जेपी नड्डा को लिखे पत्र में कहा,शुद्धिकरण का मुद्दा मेरे या कांग्रेस अध्यक्ष के पद से कहीं ऊपर है, यह करोड़ों लोगों की भावनाओं से गहराई से जुड़ा है। खरगे ने नड्डा से कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देश दें कि हल्द्वानी में शुद्धिकरण की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। नड्डा को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, आपको याद होगा कि दिनांक 13 अगस्त 26 को राज्यसभा में बहुत दुख और पीड़ा के साथ मैंने हल्द्वानी में हुई मेरी 8 अगस्त 26 की जनसभा के बाद छुआछूत जनित शुद्धीकरण का मुद्दा उठाया था।

काम केवल किसी को गले लगाने या कहीं कुछ कहने से नहीं होता

उन्होंने स्वामीनाथन के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं थी, बल्कि किसानों तक सिंचाई, बिजली, बेहतर बीज, उर्वरक, ऋण और प्रभावी कृषि विस्तार सेवाएं पहुंचाना भी जरूरी था। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों ने भारत को खाद्य आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि काम केवल किसी को गले लगाने या कहीं कुछ कहने से नहीं होता।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के योगदान को सराहा

खरगे ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के योगदान को भी याद किया और कहा कि राजशेखर रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ईंट-ईंट जोड़कर कांग्रेस को खड़ा किया और पार्टी के मुश्किल दौर में उसे मजबूत किया। उन्होंने कहा कि 2004 में मुख्यमंत्री बनने से पहले राजशेखर रेड्डी ने भीषण गर्मी में 1,400 किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा की और लोगों से सीधे संवाद किया। उनका मानना था कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को गरिमा, सुरक्षा और अवसर देना है। खरगे ने कहा कि सत्ता में आने के बाद भी राजशेखर रेड्डी अपने संघर्ष के उद्देश्य को नहीं भूले। उन्होंने 'आरोग्यश्री' योजना के जरिये गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाईं, 'इंदिरम्मा इल्लु' के माध्यम से गरीबों के लिए घर बनाए, भूमिहीनों को जमीन देने के लिए काम किया और किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राजशेखर रेड्डी और स्वामीनाथन की सोच में समानता थी कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी किसान या गरीब परिवार को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

भौगोलिकसंदर्भ उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार की उपलब्धि है। लेकिन मौजूदा सरकार की उपलब्धि क्या है, मोदी जी की उपलब्धि क्या है? खरगे ने कहा कि जब भारत खाद्यान्न की कमी और अकाल से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हरित क्रांति को सरकार की प्राथमिकता बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन का योगदान इस बदलाव में महत्वपूर्ण था।

पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन को मद्रास हाईकोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को कोलाथुर विधानसभा सीट से जुड़े चुनावी मामले में मद्रास हाईकोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने गुरुवार को उनकी उस याचिका को

खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में 100 फीसदी वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती कराने की मांग की थी। स्टालिन ने अपनी याचिका में चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए 14 ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों के सत्यापन में विसंगतियां मिलने का दावा किया था।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में इस्तेमाल की गई सभी ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों का दोबारा सत्यापन कराने की मांग भी की थी। मद्रास हाईकोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने के बाद स्टालिन की ओर से कोलाथुर चुनाव परिणाम को चुनौती देने की मौजूदा कानूनी मांग को राहत नहीं मिली। उनकी याचिका में उठाई गई 100 फीसदी वीवीपीएटी गिनती, सभी मशीनों के दोबारा सत्यापन, पुनर्गणना और खुद को विजेता घोषित करने जैसी मांगें अदालत ने स्वीकार नहीं कीं। याचिका में स्टालिन ने वोटों की दोबारा गिनती कराने और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के विधायक वीएस बाबू की जीत को रद्द करने की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने खुद को कोलाथुर सीट से विजेता घोषित करने की अपील भी अदालत से की थी। स्टालिन का दावा था कि मतदान प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के कारण चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ। इसी आधार पर उन्होंने सभी मतदान मशीनों की दोबारा जांच और वीवीपैट पर्चियों की शत-प्रतिशत गिनती की मांग उठाई थी।

बीसीआई के फैसले को सुप्रीमकोर्ट ने किया रद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनएलएसआर यूनिर्सिटी में सीजेआई सूर्यकांत के दीक्षांत समारोह में आने को लेकर हुए विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया- बीसीआई की तरफ से एनएलएसआर के छात्रों के खिलाफ जारी किए गए दोनों नोटिफिकेशन रद्द कर दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियमों के अनुसार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करना संस्थान का काम है जब तक छात्र वकील नहीं बन जाते, तब तक BCI के पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है. सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पास छात्रों के व्यवहार को नियंत्रित करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

हवा में पायलट की तबीयत खराब, की इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दोहा से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई1302 की गुरुवार सुबह मस्कट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के दौरान फ्लाइट के पायलट की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद विमान को एहतियात के तौर पर मस्कट डायवर्ट किया गया। विमान की मस्कट एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

लैंडिंग के तुरंत बाद पायलट को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। पायलट की तबीयत बिगड़ने के कारण फ्लाइट को मस्कट में उतारने के बाद यात्रियों को उनके गंतव्य बेंगलुरु तक पहुंचाने के लिए इंडिगो ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। एयरलाइन ने यात्रियों को बेंगलुरु पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से मस्कट के लिए दूसरा विमान और नई क्रू टीम भेजने की व्यवस्था की है, इसके जरिए यात्रियों की आगे की यात्रा पूरी कराई जाएगी। इससे पहले वाराणसी से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की गुरुवार सुबह लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

कई मुद्दों को लेकर सरकार की साख पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बाहर जेन जी सवाल पूछ रहा है, युवा नौकरी मांग रहा है, भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं, सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं, कहीं किसान का सवाल है, कहीं संविदा कर्मचारी अपने भविष्य की बात कर रहा है, और उसी समय पार्टी के भीतर सांसद कह रहे हैं कि सम्मान चाहिए अवसर चाहिए हिस्सेदारी चाहिए।

तो क्या कैबिनेट फेरबदल इन तमाम सवालों का जवाब बन सकता है शायद नहीं लेकिन यह राजनीतिक संदेश जरूर बन सकता है और भाजपा यह जानती है कि राजनीति में संदेश कभी कभी फैसले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जातें हैं। क्योंकि युवाओं को संकेत देना है कि नई पीढ़ी आ रही है महिलाओं को संकेत देना है कि प्रतिनिधित्व बढ़ेगा राज्यों को संकेत देना है कि उनका वजन बरकरार है पुराने नेताओं को संकेत देना है कि भूमिका खत्म नहीं बदल सकती है और नाराज सांसदों को संकेत देना है कि दरवाजा बंद नहीं हुआ है यही वह उम्मीद है जिसके सहारे पार्टी के भीतर बेचैनी को नियंत्रित रखा जा सकता है कि सबको मौका मिलेगा।

अपने ही नेता के आत्म सम्मान रैली से हिल गयी सरकार

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद कौशल किशोर ने कहा कि उन्हें जानबूझकर अपमानित किया गया है और 13 सितंबर को लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होने वाली आत्मसम्मान रैली सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि आजादी के शहीदों, सनातन धर्म रक्षकों और कम वेतन पर काम कर रहे संविदा व आउटसोर्सिंग कर्मियों के सम्मान के लिए है। इस आत्मसम्मान रैली का आयोजन पासी महासंघ के बैनर तले किया जा रहा है। सांसद कौशल किशोर ने कहा, आउटसोर्सिंग और संविदा की यह प्रथा आत्मसम्मान को झकझोरती है। यह लोगों को गुलाम बनाने की प्रथा है और इसे खत्म होना चाहिए। यह रैली संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों के स्वाभिमान और आत्मसम्मान के लिए है। 13 सितंबर को लखनऊ के दुबग्गा स्थित जॉगर्स पार्क के पास बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर यह आत्मसम्मान रैली आयोजित की जाएगी।

पार्टी के मूल उद्देश्यों को लेकर सांसद कौशल किशोर की पहल

उन्होंने कहा कि यह रैली पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सिद्धांतों को लेकर की जा रही है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि 13 सितंबर को सुबह 10 बजे बड़ी संख्या में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पहुंचें। पार्टी के मूल उद्देश्यों को लेकर सांसद कौशल किशोर ने कहा कि यह तो पार्टी के लोग समझ रहे होंगे कि अपने उसूल पर कितना चल रहे हैं, कितना नहीं चल रहे हैं। मैं किसी पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं। यह सभी पार्टियों पर लागू है। जब भी लोग उसूलों से भटकते हैं, तब निश्चित तरीके से जनता का विश्वास टूटता है, और जनता का विश्वास अगर टूट रहा है, तो लोगों को समझना चाहिए कि वे अपने उसूल से भटक रहे हैं। गेंद जितनी ऊपर चली जाती है और फिर जब गिरती है, तो उसकी स्पीड लगातार बढ़ती जाती है। उसको कोई रोक नहीं सकता। यह एक सार्वभौमिक सत्य है। आत्मसम्मान रैली को लेकर उन्होंने बताया कि इससे पहले 19 मई को मलिहाबाद में स्वाभिमान रैली का आयोजन किया था, जिसे रोकने की पूरी कोशिश की गई और उन पर बेवजह दबाव बनाया गया। उन्होंने कहा कि वह तब भी भाजपा में थे और आज भी हैं। उनकी सरकार है, फिर भी रैली की अनुमति रद्द कर दी गई, पुलिस एस्कॉर्ट और गनर वापस ले लिए गए और रैली न करने को कहा गया। यह रैली इसलिए की थी क्योंकि मलिहाबाद को बसाने वाले मल्ही पासी का गेट उखाड़ दिया गया था, जिसे लगवाने के लिए उन्हें और मलिहाबाद विधायक को 5 दिन तक तपती धूप में धरने पर बैठना पड़ा। 19 मई की रैली इसलिए घोषित की गई थी क्योंकि गेट का विरोध करने वालों ने बिना परमिशन प्रदर्शन किया, होर्डिंग पर ईंट-पत्थर चलाए और उन्हें व उनकी विधायक पत्नी को अशब्द बोला गया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा